भारत ने दर्ज की टेस्ट में अपनी सबसे बड़ी जीत

विंडीज को पारी और 272 रनों से हराया

राजकोट 6 अक्टूबर (ए)। टीम इंडिया ने राजकोट टेस्ट में वेस्टइंडीज को पारी और 272 रनों से हरा दिया है। भारत ने अपनी पहली पारी 9 विकेट के नुकसान पर 649 रन बनाकर घोषित की थी। जवाब में वेस्ट इंडीज की पहली पारी 48 ओवर में 181 रन पर सिमट गई। उसे फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। जब दूसरी पारी में बैटिंग के लिए उतरे तो लगा कि पहली पारी से कुछ सीख लेकर इस बार टिकने की कोशिश करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पहली पारी की तरह ही मेहमान टीम के खिलाड़ी तू चल मैं आया की तर्ज पर लगातार अपना विकेट फेंकते गए और 50.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 196 रन बना सकी। यह भारत की टेस्ट में पारी और रन के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इसी साल जून में अफगानिस्तान को बेंगलुरु में पारी और 262 रनों से हराया था।

कुलदीप यादव की घातक बोलिंग

विंडीज टीम संभल पाती इससे पहले ही कुलदीप यादव ने दो विकेट झटकते हुए स्कोर 4 विकेट पर 97 रन कर दिया। उन्होंने शिमरॉन हेटमायर को 11 रनों के निजी स्कोर पर केएल राहुल के हाथों कैच कराया, जबकि सुनील एम्ब्रिस आगे निकलकर शॉट लगाने के चक्कर में स्टंप आउट हुए। सुनील ने 3 गेंदें खेली, लेकिन खाता नहीं खोल सके। इसके बाद रोस्टन चेज ने पॉवेल के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 41 रन जोड़े। हालांकि, चेज सिर्फ 20 रन बनाकर कुलदीप की गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए।

पॉवेल 83 रन बनाकर आउट

विंडीज की उम्मीदों ने उस वक्त दम तोड़ दिया, जब शानदार बैटिंग कर रहे कायरन पॉवेल (83) को कुलदीप यादव ने पृथ्वी शॉ के हाथों कैच आउट करा दिया। यह कुलदीप का इस पारी में 5वां विकेट रहा। पॉवेल ने 93 गेंदों में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। जडेजा ने कीमो पॉल (15) को आउट करते हुए मेहमान टीम को 7वां झटका दिया। चायकाल से ठीक पहले उसे 8वां झटका लगा। देवेंद्र बिशू 9 रन के निजी स्कोर पर अश्विन की गेंद पर विकेट के पीछे पंत के हाथों लपके गए। उनके आउट होते ही चायकाल की घोषणा हो गई। बाकी के बचे दो बल्लेबाजों को रविंद्र जडेजा ने आउट किया। उन्होंने लुइस (4) को आउट किया, जबकि गैब्रियल (4) को कुलदीप के हाथों कैच कराया। इस पारी में भारत की ओर से सबसे अधिक 5 विकेट कुलदीप यादव के नाम रहे, जबकि रविंद्र जडेजा ने 3 और आर. अश्विन ने दो विकेट झटके। पृथ्वी शॉ को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दोनों टीमों के बीच सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच 12 अक्टूबर से हैदराबाद में खेला जाएगा।

दूसरे दिन का खेल

उल्लेखनीय है कि पहले दिन पृथ्वी शॉ के टेस्ट डेब्यू में शतक के बाद दूसरे दिन कोहली (139) और जडेजा (100*) के नाम रहा। भारत ने 9 विकेट पर 649 रन पर अपनी पहली पारी घोषित की। जवाब में वेस्ट इंडीज की टीम अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी और उसके विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे।

पेसर मोहम्मद शमी और फिर स्पिनरों ने कैरेबियाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाया। वेस्ट इंडीज ने पारी के दूसरे ही ओवर में मोहम्मद शमी की गेंद पर कप्तान ब्रैथवेट (2) का विकेट गंवा दिया। शमी की सीधी गेंद को ब्रैथवेट पढ़ नहीं पाए और गेंद जाकर ऑफ स्टंप पर लगी। इसके बाद दूसरे ओपनर कायरन पॉवेल भी ज्यादा देर संघर्ष नहीं कर सके और शमी की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। उन्होंने सिर्फ 1 रन बनाया था।

विंडीज की टीम संभल पाती, इससे पहले ही आर. अश्विन ने शाई होप (10) को बोल्ड करते हुए लगातार दूसरी पारी में जडेजा के अलावा कुलदीप यादव ने। यादव भी दिन बदि निखरते जा रहे हैं। कोहली ने इसके साथ ही मैदान में पड़ती गर्मी को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पानी के बगैर 40-45 मिनट खेलना भी कई बार भारी पड़ जाता है। लेकिन हमारे प्लेयर्स ने अच्छा प्रदर्शन किया। वेस्टइंडीज टीम के प्रदर्शन के बारे में कोहली ने कोई भी टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज टीम को मैच दौरान की गई अपनी गलतियों को ढूंढना चाहिए। ऐसा नहीं है कि वेस्टइंडीज के पास अच्छे प्लेयर्स की कमी है। लेकिन उन्हें प्रदर्शन में निरंतरता को बरकरार रखना होगा।

छा गए कुलदीप

दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर बनाया गजब का रिकॉर्ड

नई दिल्ली 6 अक्टूबर (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम ने राजकोट में विंडीज के खिलाफ हुए पहले मैच में एक पारी और 272 रनों से हासिल 2 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। चाइनामैन कुलदीप यादव ने दूसरी पारी में 5 शिकार किए और इसी के साथ उन्होंने एक गजब का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

ऐसा करने वाले पहले भारतीय स्पिनर- कुलदीप ने अपने टेस्ट करियर में पहली दफा 5 विकेट हॉल लेने का कमाल कर दिखाया है। अब कुलदीप भारतीय क्रिकेट इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) में फाइव विकेट हॉल यानी एक पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए हों। कुलदीप का वनडे में बेस्ट प्रदर्शन 25 रन देकर 6 विकेट है तो टी-20 क्रिकेट में उनकी सबसे अच्छी गेंदबाजी आंकड़ें 24 रन देकर 5 विकेट है और अब वह इस मैच में भी अब तक 5 विकेट ले चुके हैं।

भुवनेश्वर भी कर चुके हैं ऐसा- कुलदीप से पहले तेज गेंदबाज भुवनेश्वर ने तीनों फॉर्मेट में फाइव विकेट हॉल लेने का कारनामा किया था। भुवनेश्वर का टेस्ट में बेस्ट स्कोर 82 रन देकर 6 विकेट है तो वनडे में उन्होंने एक मैच में 42 रन देकर 5 विकेट झटके हुए हैं। वहीं टी-20 क्रिकेट में उनका सबसे अच्छा गेंदबाजी आंकड़ा 24 रन देकर 5 विकेट है। इसके क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में पांच विकेट के क्लब में शामिल होने वाले कुलदीप यादव दुनिया के सातवें गेंदबाज बन गए हैं।

जीत के बाद बोले कोहली – ओपनर पृथ्वी ने मौका अच्छी तरह से भुना लिया है

राजकोट 6 अक्टूबर (ए)। वैस्टइंडीज से रिकॉर्ड पारी और 272 रनों से मैच जीतने के बाद भारतीय कप्तान विराट कोहली बेहद खुश दिखे। उन्होंने मैच के बाद कहा कि पृथ्वी शॉ और रविंद्र जडेजा को ऐसे खेलता देखना सुखद अहसास था। खास तौर पर डैब्यू कर रहे पृथ्वी शॉ ने शानदार खेल दिखाया। उसने टीम में मिले मौके को अच्छे तरीके से भुनाया। वहीं, जडेजा जोकि पिछले कुछ समय से भारतीय टीम के लिए यादगार प्रदर्शन कर रहे हैं, ने इस टैस्ट मैचों में भी कमाल की बल्लेबाजी और गेंदबाजी से प्रभावित किया। वह अब भी बल्ले और गेंद से मैच की दिशा मोड़ने में सक्षम है। कोहली बोले- हमारे तेज गेंदबाजों मोहम्मद शमी और उमेश यादव ने पहली पारी में जिस तरह गेंदबाजी की वह वाकई कमाल में था। हमारा स्पिन सेक्शन भी मजबूत दिखा। पहली पारी में जहां अश्विन ने कमाल दिखाया तो दूसरी पारी में जडेजा के अलावा कुलदीप यादव ने।

भारत ने घरेलू धरती पर हासिल की 100वीं जीत

नई दिल्ली 6 अक्टूबर (ए)। राजकोट में वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने तीसरे ही दिन पारी और 272 रनों से जीत हासिल कर ली। यह पारी के लिहाज से भारतीय टीम की सबसे बड़ी जीत है। इतना ही नहीं यह घरेलू मैदानों पर खेले गए 266 टेस्ट मैचों में से भारत की 100वीं जीत भी है। भारत ने सौराष्ट्र क्रिकेट असोसिएशन मैदान पर खेले गए इस मैच में पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। भारत ने अपनी पहली पारी में 9 विकेट पर 649 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और वेस्ट इंडीज को दो बार आउट कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कैरेबियाई टीम पहली पारी में सिर्फ 48 ओवर में 181 रन बनाकर आउट हो गई। वहीं फॉलोऑन करते हुए टीम 50.5 ओवर में सिर्फ 196 रन ही बना सकी।

अश्विन ने बिगाड़ी शुरुआत

अपनी दूसरी पारी खेलने उतरी मेहमान टीम को उम्मीद थी कि उसे एक अच्छी शुरुआत मिलेगी, लेकिन पहली पारी में चार विकेट लेने वाले रविचंद्रन अश्विन ने क्रैग ब्रैथवेट (10) को शॉर्ट लेग पर खड़े पृथ्वी शॉ के हाथों कैच कर विंडीज को अच्छी शुरुआत से महरूम रख दिया। वह 32 के कुल स्कोर पर आउट हुए। एक ओवर बाद भोजनकाल की घोषणा कर दी गई। लंच के बाद नए बल्लेबाज शाइ होप (17) ने खाता खोला और कुछ अच्छे शॉट भी लगाए, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके। उन्हें कुलदीप यादव ने एलबीडब्ल्यू आउट किया।

भारत की रेकॉर्ड जीत, चमके ये खिलाड़ी

राजकोट 6 अक्टूबर (ए)। टीम इंडिया ने राजकोट टेस्ट में वेस्ट इंडीज को पारी और 272 रनों से हरा दिया है। यह भारत की टेस्ट में पारी और रन के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इसी साल जून में अफगानिस्तान को बेंगलुरु में पारी और 262 रनों से हराया था।

- **पृथ्वी शॉ-** डेब्यू स्टार पृथ्वी शॉ जब बैटिंग करने आए तो उम्मीद थी कि ओपनिंग जोड़ी के तौर पर उन्हें दूसरे छोर से लोकेश राहुल से उन्हें सलाह मिलेगी। लेकिन केएल राहुल बगैर खाता खोले आउट हो गए। पहला टेस्ट हो और जोड़ीदार जल्दी आउट जाए तो कोई भी दबाव में आए, लेकिन पृथ्वी ने ऐसा नहीं होने दिया। उन्होंने बगैर दबाव में आए न केवल खूबसूरत शॉट लगाए, बल्कि 99 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचने के बाद 134 रन बनाकर आउट हुए।
- **विराट कोहली-** कप्तान विराट कोहली ने 139 रन बनाए। उनकी शानदार बल्लेबाजी ने भारत को मजबूत स्थिति में ला दिया। इस शतक के साथ विराट ने कई उपलब्धि हासिल की। यह उनकी सिर्फ 72वें मैच में 24वीं टेस्ट सेंचुरी है। इस मुकाम तक पहुंचनेवाले वह सबसे तेज भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।
- **रविंद्र जडेजा-** मैच के दूसरे दिन रविंद्र जडेजा ने 132 गेंदों में शतक लगाया। उन्होंने अपनी पारी में 5-5 चौके-छक्के लगाए। यह जडेजा के टेस्ट करियर का पहला शतक है। इसके अलावा मैच में उन्होंने दो विकेट लिए।
- **चेतेश्वर पुजारा-** चेतेश्वर पुजारा ने 86 रन बनाए। मैच में उन्होंने कुल 130 गेंद खेली और 14 चौके लगाए। वह लेविस की गेंद पर कैच आउट हो गए।
- **ऋषभ पंत-** ऋषभ पंत ने शानदार बल्लेबाजी की लेकिन शतक से चूक गए। वह 84 गेंदों में 92 रन बनाकर देवेंद्र बिशू की बॉल पर आउट हो गए। उन्होंने 8 चौके और 4 छक्के लगाए।
- **कुलदीप यादव-** कुलदीप यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी इनिंग में 5 विकेट झटके। उन्होंने दो मेडन ओवर भी फेंके। उन्होंने 2 चौके की मदद से 12 रन बनाए थे।
- **रविचंद्रन अश्विन-** पहली पारी में रविचंद्रन अश्विन को गेंदबाजी में 4 सफलताएं मिलीं। उन्होंने 37 रन दिए। सेकंड इनिंग में भी उन्होंने दो विकेट लिए। हालांकि उन्होंने एक चौके की मदद से केवल 7 रन ही बनाए थे

गोल्फ : रेहान थॉमस ने सिंगापुर में छह अंडर-64 का खेला कार्ड

सिंगापुर 6 अक्टूबर (ए)। एशिया पैसेफिक एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। शुक्रवार को रेहान थॉमस ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छह अंडर-64 का कार्ड खेला। थामस का 64 का स्कोर इस प्रतियोगिता में पिछले 10 वर्षों में किसी भारतीय का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दिन के सर्वश्रेष्ठ छह स्कोर में 3 भारतीयों के नाम रहे। थामस के अलावा 2 अन्य भारतीयों कार्तिक शर्मा और युवराज संधू ने चार अंडर 66 का स्कोर बनाया। अब टॉप-15 में तीन भारतीय हो गए हैं। भारत के 5 खिलाड़ी कट में जगह बनाने में सफल रहे।

मडप्पा संयुक्त 7वें स्थान पर, 8 भारतीयों ने किया कट में प्रवेश

लिंकोउ (चीनी ताइपै) 6 अक्टूबर (ए)। थिआंगडेर प्लेयर्स गोल्फ चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में विराज मडप्पा ने छह अंडर 66 का स्कोर करके संयुक्त सातवें स्थान पर कब्जा कर लिया है। पांच लाख डालर ईनामी राशि के इस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन से मडप्पा कल 80वें स्थान से छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए। जान कैटलिन और पानुफोल पी संयुक्त रूप से शीर्ष पर है। भारत के शिव कपूर और एसएसपी चौरसिया संयुक्त 19वें स्थान पर है। हिम्मत राय और एस चिकारंगप्पा संयुक्त 49वें स्थान पर है। शुभंकर शर्मा, राहिल गंगजी, उदयन माने, जीव मिल्खा सिंह और चिरग कुमार कट में प्रवेश से चूक गए।

हरियाणा के तापी घई ने जीता केन्सविले गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब

अहमदाबाद 6 अक्टूबर (ए)। हरियाणा के तापी घई ने शुक्रवार को चौथे और अंतिम राउंड में पांच अंडर 67 का शानदार कार्ड खेलकर 40 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाले केन्सविले ओपन गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया जो उनका पहला खिताब है। घई ने दो शॉट के अंतर से खिताबी जीत हासिल की। 22 वर्षीय घई ने अपने दूसरे प्रोफेशनल सत्र में खिताबी जीत हासिल की। उनका कुल स्कोर 10 अंडर 278 रहा। मूह के अनुभवी मुकेश कुमार ने 69 का कार्ड खेला और आठ अंडर 280 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। घई ने चार राउंड में 69-70-72-67 के कार्ड खेले। इस जीत से घई 44 स्थान की लंबी छलांग लगाकर पीजीटीआई आर्डर ऑफ मेरिट में 16वें स्थान पर पहुंच गए। उन्हें 6,46,600 रुपए की पुरस्कार राशि मिली।

रोनाल्डो महज एक फुटबॉलर नहीं है, बल्कि बड़ा ब्रांड है

पेरिस 6 अक्टूबर (ए)। बिजनेस को बढ़ाने में भी सोशल मीडिया काफी मददगार साबित हो रहा है और किसी सामाजिक मसले पर लोगों को जागरूक करने और अपना व्यापार को चलाना काफी आसान हो गया है। ऐसा ही कुछ आज के समय जिस तरह सोशल मीडिया पर करोड़ों फॉलोअर्स, प्रायोजकों की लंबी कतार, आसमान छूती कमाई और होटलों से लेकर अंडरवियर तक अपने ब्रांड नाम के चलते क्रिस्टियानो रोनाल्डो महज एक फुटबॉलर नहीं बल्कि अपने आप में व्यवसाय का एक साम्राज्य है। जिसके साथ रोनाल्डो का नाम जुड़े वह ब्रांड सुखियों में आ जाता है। अमेरिका में एक माडल द्वारा लगाये गए बलात्कार के आरोपों के कारण हालांकि सीआर 7 वैश्विक ब्रांड को भारी नुकसान हुआ है। मार्केटिंग एंड सेलिब्रिटीज' किताब के लेखक जीन फिलीप डामग्लेड ने कहा, रोनाल्डो महज एक फुटबॉलर नहीं है बल्कि बड़ा ब्रांड है। उसके शहर मडेइरा में उसके नाम का संग्रहालय और हवाई अड्डा है। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार रोनाल्डो ने 2017 में 108 मिलियन डालर (10 करोड़ 80 लाख डालर) कमाये जिनमें छह करोड़ वेतन और बाकी विज्ञापन से थे। रोनाल्डो ने अपने नाम का लोगो सीआर7 भी बनाया है। उसने 2006 में मडेइरा में पहला अंडरवियर शोरूम सीआर7 खोला। वह 2015 के आखिर तक पेस्तानो होटल समूह के साथ मिलकर सीआर7 नाम से पांच होटल खोलने का करार कर चुके हैं जबकि छठा होटल पेरिस में खुलेगा। पांच बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर रहे रोनाल्डो के सोशल मीडिया पर 33 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं जो किसी भी अन्य खिलाड़ी से कहीं ज्यादा है।

घरवालों के चोरी से खेली हॉकी, इलाके में लगते थे पोस्टर तो लगता था डर-घरवाले खेलना न छुड़वा दें :हरजीत

नईदिल्ली 6 अक्टूबर (ए)। 15 साल बाद टीम इंडिया को जूनियर वर्ल्ड हॉकी कप दिलाने वाले हरजीत सिंह तुली के घर वाले नहीं चाहते थे कि वह कभी हॉकी खेलें। इसके पीछे एक वजह सिर्फ यह थी कि पिता रामपाल सिंह जोकि पेशे से ट्रक ड्राइवर थे, ट्रेनिंग का खर्च उठाने में असमर्थ थे। हरजीत हॉकी खेलना भूल भी जाते अगर इलाके में उन दिनों एक अकादमी न खुल गई होती।मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब वह अपनी जिंदगी के संघर्ष, कामयाबी के बाद आई मुश्किलें संबंधी बातचीत कर रहे थे। हरजीत बताते हैं कि उन्होंने बचपन में जब घरवालों का बताया कि वह हॉकी में करियर बनाना चाहते हैं तो उन्होंने आर्थिक हालात ठीक न होने के कारण पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा था। मैंने हॉकी खेलनी थी इसलिए घरवालों को बिना बताए अकादमी पहुंच गया।अकादमी में ही मेरी हॉकी किट पड़ी होती थी. प्रैक्टिस के बाद कपड़े बदलकर घर पहुंच जाता था ताकि किसी को कोई शक न हो। एक समय ऐसा भी आया जब प्लेयर होने के कारण मेरे पोस्टर जगह-जगह लगते थे। यह खुशी देने वाला अहसास होता है जब आपकी उम्र कम होती है। लेकिन मैं उन दिनों काफी डरता था।